Series Z1YXW/2

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड 3/2/2

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें । *

हिन्दी (अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

नोट :

(i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **19** हैं ।

(ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(iii) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।

(iv) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(v) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **17** प्रश्न हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं – **खण्ड अ** और **खण्ड ब** । खण्ड अ में बहुविकल्पी/वस्तुपरक और खण्ड ब में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं ।*

*(iii) **खण्ड अ** में कुल **10** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

*(iv) **खण्ड ब** में कुल **7** प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं । निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

(vi) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार ही लिखिए ।

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी ***एक*** को ध्यान से पढ़कर उस पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(I) सँभलो कि सुयोग न जाय चला,
कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला
समझो जग को न निरा सपना
पथ आप प्रशस्त करो अपना
अखिलेश्वर है अवलंबन को
नर हो, न निराश करो मन को ।

जब प्राप्त तुम्हें सब तत्त्व यहाँ
फिर जा सकता वह सत्त्व कहाँ
तुम स्वत्त्व सुधा रस पान करो
उठके अमरत्व विधान करो
दवरूप रहो भव कानन को
नर हो न निराश करो मन को ।

निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे
मरणोत्तर गुंजित गान रहे
सब जाय अभी पर मान रहे
कुछ हो न तजो निज साधन को
नर हो, न निराश करो मन को ।

प्रभु ने तुमको कर दान किए,
सब वांछित वस्तु विधान किए
तुम प्राप्त करो उनको न अहो
फिर है यह किसका दोष कहो
समझो न अलभ्य किसी धन को
नर हो, न निराश करो मन को ।

(i) प्रस्तुत पद्यांश में मनुष्य को किस हेतु प्रेरित किया गया है ?
- (a) मन को एकाग्र करने हेतु
- (b) शरीर को स्वस्थ रखने हेतु
- (c) मन को आशान्वित रखने हेतु
- (d) ईश्वर के शरण में जाने हेतु

(ii) 'पथ आप प्रशस्त करो अपना' का आशय है :

(a) जीवन का मार्ग ईश्वर दिखाएँ

(b) जीवन का मार्ग माता-पिता सुझाएँ

(c) जीवन का मार्ग स्वयं बनाएँ

(d) जीवन का मार्ग मित्र बताएँ

(iii) पद्यांश में 'मृत्यु के उपरांत भी कीर्ति बनी रहे'
इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है :

(a) निज गौरव का नित ज्ञान रहे

(b) सब जाय अभी पर मान रहे

(c) हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे

(d) मरणोत्तर गुंजित गान रहे

(iv) पद्यांश में किन चीज़ों को प्राप्त नहीं करने के लिए मनुष्य को दोषी माना गया है ?

(a) प्रकृति से उपलब्ध सुविधाओं को

(b) भाग्य से प्राप्त वरदानों को

(c) मनोवांछित वस्तुओं को

(d) अलभ्य, परिश्रम से प्राप्त वस्तुओं को

(v) 'प्रभु ने तुमको कर दान किए' पंक्ति के द्वारा कवि क्या प्रेरणा देता है ?

(a) आलसी बने रहने के लिए

(b) परिश्रम करने के लिए

(c) भाग्य पर आश्रित रहने के लिए

(d) चलने-फिरने के लिए

अथवा

(II) इतनी साधारण चीज़ें वहाँ थीं जिन्हें कभी का भुला दिया गया था *5×1=5*
चिड़िया के आकार की वह सीटी वहाँ थी
जिसमें आधा पानी भरकर बजाओ तो बुलबुल की तरह बोलती थी
कॉलेज के दिनों में मैं पेड़ों के झुरमुट में छिपकर उसे बजाता था
बचपन की एक फोटो में मैं जिस तीन पहिए की साइकिल पर बैठा था
वो साइकिल वहाँ पड़ी थी धूल से अटी हुई
उसका एक पहिया निकल गया था और रंग उखड़ गया था जगह-जगह से

घिस-घिसकर इतनी छोटी हो चुकी पेंसिलें थीं कि जिन्हें
और अधिक छीला जाना संभव नहीं था
वहाँ बचपन की ड्राइंग कॉपियाँ थीं जिनके हर चित्र में
पेड़ हरे थे और उगता हुआ सूरज था
तब शायद हमने नहीं सोचा था कि हमारी दुनिया में
इतना अँधेरा भी होगा कभी

बरसों पहले खो चुके खिलौने थे
पतंगें थीं, उनकी घिर्रियाँ थीं माँझे और डोर से भरी हुई
वहाँ कुछ पुरानी घड़ियाँ थीं जिनके बारे में कहा जाता था
कि वे चोरी चली गई थीं
उनमें वो समय अभी तक ठहरा हुआ था

(i) प्रस्तुत पद्यांश किस विषय पर केंद्रित है ?

(a) बचपन
(b) स्मृतियों
(c) साधारण वस्तुओं
(d) इतिहास

(ii) वहाँ मौजूद वस्तुओं को 'साधारण' क्यों कहा जा रहा था ?

(क) वे सारी पुरानी और अनुपयोगी थीं ।
(ख) उन्हें आसानी से विस्मृत कर दिया गया ।
(ग) वे सभी बेहद कम मूल्य की थीं ।

उपर्युक्त विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(a) केवल (क)
(b) केवल (ख)
(c) (क) और (ख)
(d) (ख) और (ग)

(iii) "तब शायद हमने नहीं सोचा था कि हमारी दुनिया में
इतना अँधेरा भी होगा कभी"

इन पंक्तियों में अँधेरे से आशय है :

(a) निराशा
(b) अन्याय
(c) बुराई
(d) रात

(iv) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन (A) : वहाँ कुछ पुरानी घड़ियाँ थीं जिनमें समय अभी तक ठहरा हुआ था ।

कारण (R) : घड़ियाँ चोरी चली गई थीं ।

(a) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) ग़लत है ।

(b) कथन (A) ग़लत है, परंतु कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) और कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

(d) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं ।

(v) घड़ियों में समय अभी तक ठहरा हुआ है क्योंकि :

(a) घड़ियों की बैटरी खराब हो गई है, समय रुक गया है ।

(b) अतीत के उस कालखंड की स्मृतियाँ ठहरी हुई हैं ।

(c) घड़ियाँ चोरी होकर कवि के भावात्मक दायरे से बाहर हो गईं ।

(d) घड़ियाँ पुरानी हैं, बदलते वक्त में उनका महत्त्व है ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

छठ इस संसार में अपनी तरह का ऐसा पर्व है, जो अपनी व्यंजना में बहुआयामी है । सूर्य इस त्योहार का केंद्र है । सूर्य जीव-जगत के आधार हैं । सूर्य के बिना कोई भी भोग-उपभोग संभव नहीं है । अतः सूर्य के प्रति आभार प्रदर्शन के लिए छठ या सूर्य षष्ठी व्रत मनाया जाता है, तो कोई आश्चर्य नहीं । सूर्य उन क्षेत्रों के लिए सबसे उपयोगी है, जहाँ पानी की उपलब्धता ज्यादा है । पूर्वांचल में नदियों का जाल बिछा है, ऐसे में सूर्य का ताप लेना जीवन के लिए सबसे जरूरी हो जाता है । हमारी सूर्य-केंद्रित संस्कृति कहती है कि वही उगेगा, जो डूबेगा । अतः छठ में पहले दिन डूबते और फिर दूसरे दिन उगते सूर्य की पूजा स्वाभाविक है ।

नीरोग रहने के लिए भी सूर्य की बड़ी जरूरत है । सूर्य के ताप में रोगनाशक शक्ति है । अक्सर लोग छठ महापर्व के समय स्वास्थ्य को लेकर भी प्रार्थना करते हैं । जब कोरोना का उभार हुआ था, तब लोग आश्वस्त थे कि एक बार सूर्य की तपन बढ़ेगी, तो कोरोना वायरस नष्ट हो जाएगा । यह जो भ्रम था, वह सूर्य के प्रति हमारी आस्था का ही परिणाम था । यह भी सत्य है कि सूर्य के प्रति हमारी आशा का कोई विकल्प भी नहीं है । सूर्य के बिना भारत की जैव-विविधता, जीवन और स्वास्थ्य का मेल नहीं बन सकता । आधुनिक जीवन की मज़बूरी में जब अक्षय-ऊर्जा की बात होती है, तब लोगों की नजर सूर्य की ओर ही जाती है । अर्थात् किन्हीं अर्थों में सूर्य हमारा अतीत ही नहीं, भविष्य भी है ।

(i) सूर्य षष्ठी व्रत क्यों मनाया जाता है ?

(a) भगवान सूर्य के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए

(b) प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए

(c) नदियों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए

(d) देवी-देवताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए

(ii) 'वही उगेगा, जो डूबेगा' पंक्ति का आशय है :

(a) उदय और अस्त होना एक-दूसरे से जुड़े हैं ।

(b) उदय होने के लिए अस्त होना जरूरी है ।

(c) असफलताओं का भी सफलता में महत्त्वपूर्ण योगदान होता है ।

(d) सफलता का महत्त्व असफल व्यक्ति ही समझ सकता है ।

(iii) ताप के अतिरिक्त भी सूर्य की आवश्यकता क्यों है ?

(a) प्रकृति के लिए

(b) लंबे जीवन के लिए

(c) नीरोगी जीवन के लिए

(d) प्रकाश के लिए

(iv) कोरोना वायरस के नष्ट होने के संदर्भ में लोगों का क्या विश्वास था ?

(a) वैज्ञानिक कोरोना वायरस की औषधि ढूँढ़ लेंगे ।

(b) सूर्य के बढ़ते ताप से कोरोना वायरस नष्ट हो जाएगा ।

(c) सूर्य के बढ़ते ताप से कोरोना वायरस अप्रभावित रहेगा ।

(d) कोरोना वायरस धीरे-धीरे स्वयं ही नष्ट हो जाएगा ।

(v) 'अक्षय ऊर्जा' से क्या अभिप्राय है ?

(a) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो कभी नष्ट न हो

(b) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो लंबे समय तक चले

(c) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो कम खर्चीला हो

(d) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो प्रकृति-प्रदत्त हो

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *4×1=4*

(i) स्तंभ I और स्तंभ II को सुमेलित कर सही विकल्प चुनकर लिखिए :

	स्तंभ I		*स्तंभ II*
(अ)	अमीरुद्दीन का जन्म एक संगीत प्रेमी परिवार में हुआ था ।	(I)	मिश्र वाक्य
(ब)	अमीरुद्दीन सिर्फ छह साल का है और बड़ा भाई शम्सुद्दीन नौ साल का ।	(II)	सरल वाक्य
(स)	बालाजी का जो मंदिर है, वहीं से दिन की शुरुआत होती है ।	(III)	संयुक्त वाक्य

विकल्प :

	(अ)	**(ब)**	**(स)**
(a)	(III)	(II)	(I)
(b)	(I)	(II)	(III)
(c)	(II)	(III)	(I)
(d)	(II)	(I)	(III)

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनिए :

(क) कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं ।

(ख) बालगोबिन भगत मँझोले कद के आदमी थे जो बहुत कम कपड़े पहनते थे ।

(ग) ज्यों ही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया ।

(घ) अब बुढ़ापा आ गया था, किंतु टेक वही जवानी वाली थी ।

विकल्प :

(a) केवल कथन (क) सही है ।

(b) कथन (ख) और (ग) सही हैं ।

(c) कथन (ग) और (घ) सही हैं ।

(d) कथन (क), (ख) और (ग) सही हैं ।

(iii) 'मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं ।' — इसका सरल वाक्य होगा :

(a) मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का छोटा-सा चश्मा था, जिसे बच्चों ने बनाया होगा ।

(b) बच्चों के बनाने जैसा एक सरकंडे का चश्मा था और वह मूर्ति की आँखों पर था ।

(c) मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का एक चश्मा था, वैसा बच्चे बना लेते हैं ।

(d) बच्चों द्वारा बना लिया जाने वाला सरकंडे का छोटा-सा चश्मा मूर्ति की आँखों पर था ।

(iv) 'थोड़ी देर में हम लोग समुद्र तट पर घूमने जाएँगे ।' — इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा :

(a) क्योंकि हमें घूमने जाना है इसलिए हम थोड़ी देर में समुद्र तट पर जाएँगे ।

(b) थोड़ी शाम बीत जाएगी इसलिए हम लोग समुद्र तट पर घूमने जाएँगे ।

(c) थोड़ी देर में घूमने जाना है अतः हम समुद्र तट पर जाएँगे ।

(d) थोड़ी देर में घूमने जाना है पर समुद्र तट पर ही जाएँगे ।

(v) 'आजकल लोग पापड़ बनाकर मशीन से सुखा देते हैं ।' — इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा :

(a) आजकल लोग ऐसा पापड़ बनाते हैं जिसे मशीन से सुखा देते हैं ।

(b) आजकल लोग पापड़ बनाते हैं और मशीन से सुखाते हैं ।

(c) आजकल लोग जो पापड़ बनाते हैं उसे मशीन से सुखा देते हैं ।

(d) आजकल लोग मशीन से सूखने वाले पापड़ बनाते हैं ।

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *4×1=4*

(i) 'ऋतुराज ने स्त्री-जीवन को अपनी कविताओं का केंद्र बनाया है ।' — इसका कर्मवाच्य में रूप होगा :

(a) ऋतुराज से स्त्री-जीवन की कविताएँ लिखी गईं ।

(b) ऋतुराज द्वारा स्त्री-जीवन को अपनी कविताओं का केंद्र बनाया गया ।

(c) ऋतुराज ने स्त्री-जीवन को अपनी कविताओं का केंद्र बनवाया ।

(d) ऋतुराज स्त्री-जीवन के केंद्र में अपनी कविताओं की रचना करते थे ।

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य कर्तृवाच्य का उदाहरण ***नहीं*** है ?

(a) बालगोबिन भगत अपने खेत में रोपनी कर रहे थे ।

(b) बालगोबिन भगत अपने खेत में रोपनी करवा रहा था ।

(c) बालगोबिन भगत ने अपने खेत में रोपनी की ।

(d) बालगोबिन भगत द्वारा अपने खेत में रोपनी की गई ।

(iii) निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण ***नहीं*** है ?

(a) बच्चों से किताब पढ़ी गई ।

(b) राधिका से नहीं दौड़ा गया ।

(c) मुझसे चला नहीं जाता ।

(d) लड़कों से खूब सोया गया ।

(iv) 'चलो, चला जाए ।' — वाक्य का कर्तृवाच्य होगा :

(a) चलो, चलें ।

(b) चलो, चला गया ।

(c) चलते हैं ।

(d) चलो, जाऊँ ।

(v) निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटकर लिखिए :

(a) तुम वहाँ क्यों जाते हो ?

(b) उनसे गीत गाया न गया ।

(c) विपत्ति पड़ने पर उससे रोया नहीं जाता ।

(d) विद्यार्थियों से दौड़ा नहीं जाता ।

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों में से किन्हीं ***चार*** के पद-परिचय के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *4×1=4*

(i) 'वह खिड़की से ऊपर की ओर देख रही थी ।' — रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा :

(a) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – देखना

(b) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – खिड़की

(c) कालवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – देखना

(d) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – देखना

(ii) <u>थोड़ा</u> दूध ले आओ । <u>थोड़ा</u> बोलो । — दोनों वाक्यों के <u>थोड़ा</u> का सामान्य पद-परिचय होगा :

(a) पहला थोड़ा – संख्यावाची विशेषण
दूसरा थोड़ा – रीतिवाचक क्रिया-विशेषण

(b) पहला थोड़ा – अनिश्चित संख्यावाची विशेषण
दूसरा थोड़ा – परिमाणवाची क्रिया-विशेषण

(c) पहला थोड़ा – निश्चित परिमाणवाची विशेषण
दूसरा थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाची क्रिया-विशेषण

(d) पहला थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाची विशेषण
दूसरा थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाची क्रिया-विशेषण

(iii) 'बच्चे स्कूल से लौटते हुए हमसे लिफ्ट <u>माँग रहे थे</u> ।' — रेखांकित पद का परिचय है :

(a) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य

(b) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य

(c) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, भाववाच्य

(d) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मवाच्य

(iv) निम्नलिखित में से किस वाक्य में विशेषण के सभी भेद हैं ?

(a) सुंदर, प्राकृतिक, विद्वान, पाँच किलो, दो मीटर

(b) कुछ, किसी, अच्छा, मोटा, बेहद, यह, कौन

(c) सुंदर, नमकीन, किसी, पाँच किलो, दो दर्ज़न

(d) पाँच किलो, पंद्रह ग्राम, छह सौ, किसी, कुछ, यह

(v) <u>वाह</u> ! तुमने क्या खबर सुनाई है । — रेखांकित अंश का पद-परिचय है :

(a) विस्मयादिबोधक अव्यय, विस्मयसूचक

(b) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षसूचक

(c) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोकसूचक

(d) विस्मयादिबोधक अव्यय, संवेदनासूचक

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *4×1=4*

(i) 'मेरी भवबाधा हरौ, राधा नागरि सोइ ।
जा तन की झांईं परे – श्याम हरित दुति होई ।।'

— इन पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है ?

(a) उत्प्रेक्षा अलंकार

(b) अतिशयोक्ति अलंकार

(c) श्लेष अलंकार

(d) मानवीकरण अलंकार

(ii) 'देखि रूप लोचन ललचाने । हरषे जनु निजनिधि पहिचाने ।' — प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है :

(a) उत्प्रेक्षा अलंकार

(b) अतिशयोक्ति अलंकार

(c) श्लेष अलंकार

(d) मानवीकरण अलंकार

(iii) 'एक बित्ते के बराबर
यह हरा ठिगना चना
बाँधे मुरैठा शीश पर
छोटे गुलाबी फूल का
सजकर खड़ा है'

— प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है :

(a) उत्प्रेक्षा अलंकार

(b) अतिशयोक्ति अलंकार

(c) श्लेष अलंकार

(d) मानवीकरण अलंकार

(iv) "धनुष उठाया ज्यों ही उसने और चढ़ाया उस पर बाण ।
धरा-सिंधु नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण"
— प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है :
(a) उत्प्रेक्षा अलंकार
(b) अतिशयोक्ति अलंकार
(c) श्लेष अलंकार
(d) मानवीकरण अलंकार

(v) निम्नलिखित में से किस काव्य-पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है ?
(a) जिन दिन देखे वे कुसुम, गई सुबीति बहार ।
(b) कहीं साँस लेते हो, घर-घर भर देते हो ।
(c) मानो झूम रहे हों तरु भी मंद पवन के झोंकों से ।
(d) ऊँचे हैं, लेकिन खजूर से
मुँह है इसलिए कहते हैं ।

7. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

चलते ही मैं दो-एक बार उनके कोप से बच गई थी । एक बार कॉलिज से प्रिंसिपल का पत्र आया कि पिता जी आकर मिलें और बताएँ कि मेरी गतिविधियों के कारण मेरे खिलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए ? पत्र पढ़ते ही पिता जी आग-बबूला । "यह लड़की मुझे कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रखेगी... पता नहीं क्या-क्या सुनना पड़ेगा वहाँ जाकर ! चार बच्चे पहले भी पढ़े, किसी ने ये दिन नहीं दिखाया ।" गुस्से से भन्नाते हुए ही वे गए थे । लौटकर क्या कहर बरपा होगा, इसका अनुमान था, सो मैं पड़ोस की एक मित्र के यहाँ जाकर बैठ गई । माँ को कह दिया कि लौटकर बहुत कुछ गुबार निकल जाए, तब बुलाना । लेकिन जब माँ ने आकर कहा कि वे तो खुश ही हैं, चली चल, तो विश्वास नहीं हुआ । गई तो सही, लेकिन डरते-डरते । "सारे कॉलिज की लड़कियों पर इतना रौब है तेरा... सारा कॉलिज तुम तीन लड़कियों के इशारे पर चल रहा है ? प्रिंसिपल बहुत परेशान थी और बार-बार आग्रह कर रही थी कि मैं तुझे घर बिठा लूँ, क्योंकि वे लोग किसी तरह डरा-धमकाकर, डाँट-डपटकर लड़कियों को क्लासों में भेजते हैं और अगर तुम लोग एक इशारा कर दो कि क्लास छोड़कर बाहर आ जाओ तो सारी लड़कियाँ निकलकर मैदान में जमा होकर नारे लगाने लगती हैं । तुम लोगों के मारे कॉलिज चलाना मुश्किल हो गया है उन लोगों के लिए ।" कहाँ तो जाते समय पिता जी मुँह दिखाने से घबरा रहे थे और कहाँ बड़े गर्व से कहकर आए कि यह तो पूरे देश की पुकार है... इस पर कोई कैसे रोक लगा सकता है भला ?

(i) कॉलिज से प्रिंसिपल का पत्र आने पर लेखिका के पिता के क्रोध का कारण था :

(a) प्रिंसिपल के सम्मुख जाना और उनकी बातें सुनना

(b) लेखिका के कारण प्रिंसिपल के सामने लज्जित होने की आशंका

(c) लेखिका को कॉलिज से निष्कासित किए जाने की आशंका

(d) लेखिका के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की आशंका

(ii) लेखिका पड़ोस की मित्र के यहाँ जाकर क्यों बैठ गई ?

(a) मित्र के साथ गपशप करने के लिए

(b) परीक्षा की तैयारी करने के लिए

(c) कॉलिज का कार्य पूरा करने के लिए

(d) पिता के कोप से बचने के लिए

(iii) 'गुबार निकल जाए, तब बुलाना' — पंक्ति का अर्थ है :

(a) हवा शांत होने पर बुलाना

(b) पिता जी के चले जाने पर बुलाना

(c) क्रोध शांत होने पर बुलाना

(d) मन प्रसन्न होने पर बुलाना

(iv) कॉलिज से लौटने पर लेखिका के पिता की प्रसन्नता का कारण था :

(a) कॉलिज की लड़कियों पर पुत्री का बढ़ता प्रभाव

(b) कॉलिज में पुत्री का किसी के नियंत्रण में न होना

(c) कॉलिज की प्रिंसिपल द्वारा पुत्री को क्षमा कर दिया जाना

(d) कॉलिज में पुत्री द्वारा नए कीर्तिमान स्थापित करना

(v) 'यह तो पूरे देश की पुकार है... इस पर कोई कैसे रोक लगा सकता है भला ?' — गद्यांश की यह पंक्ति संकेत करती है :

(a) देश की तत्कालीन आर्थिक परिस्थितियों को

(b) देश की तत्कालीन सांस्कृतिक परिस्थितियों को

(c) देश की तत्कालीन राजनैतिक परिस्थितियों को

(d) देश की तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों को

8. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित ***दो*** बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *2×1=2*

(i) जयशंकर प्रसाद अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते हैं ?

(a) वह एक सामान्य व्यक्ति की भोली कथा है ।

(b) वह कथा दुर्बलताओं से भरी हुई है ।

(c) उसमें दूसरों के दिए धोखे और छल हैं ।

(d) विनम्र स्वभाववश स्वयं को सामान्य मानव मानते हैं ।

(ii) कवि के अनुमानों के आधार पर बताइए कि निम्नलिखित में से 'संगतकार' मुख्य गायक की सहायता किस रूप में नहीं करता ।

(a) मुख्य गायक के छोटे भाई के रूप में

(b) मुख्य गायक के शिष्य के रूप में

(c) मुख्य गायक के दूर के रिश्तेदार के रूप में

(d) मुख्य गायक के बेटे के रूप में

9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात...
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल ?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान ?
देखते ही रहोगे अनिमेष !

थक गए हो ?
आँख लूँ मैं फेर ?
क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार ?
यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज
मैं न सकता देख
मैं न पाता जान
तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान ।

(i) काव्यांश में बच्चे की मुस्कान कैसी बताई गई है ?

(क) मासूम और दूधिया दाँतों को दिखाती
(ख) कठोर से कठोर व्यक्ति में भी कोमलता के भाव उत्पन्न कर देने वाली
(ग) निराश व्यक्ति के मन में भी उत्साह जगाने वाली

उपर्युक्त में सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प है :

(a) केवल (क)
(b) केवल (क) और (ग)
(c) केवल (ख) और (ग)
(d) (क), (ख) और (ग) सभी

(ii) कवि ने नवजात शिशु की तुलना किससे की है ?

(a) कमल के पुष्पों से
(b) शेफालिका के पुष्पों से
(c) बाँस के पुष्पों से
(d) बबूल के पुष्पों से

(iii) "कवि को बच्चा अपरिचय की दृष्टि से एकटक देख रहा है ।" — यह भाव काव्यांश की किन पंक्तियों में व्यक्त हुआ है ?

(a) क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार ?
(b) तुम मुझे पाए नहीं पहचान ? देखते ही रहोगे अनिमेष !
(c) थक गए हो ? आँख लूँ मैं फेर ?
(d) परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण

(iv) प्रस्तुत काव्यांश का मूल भाव है :

(a) मातृत्व

(b) वात्सल्य

(c) प्रेम

(d) उम्मीद

(v) 'शेफालिका' के फूलों की क्या विशेषता होती है ?

(a) बच्चे उनके प्रति आकर्षित रहते हैं ।

(b) मज़बूती से डालियों में लगे रहते हैं ।

(c) उनको कोई भी तोड़ नहीं पाता है ।

(d) हल्की हवा से भी झरने लगते हैं ।

10. निम्नलिखित गद्य पाठों के आधार पर बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *2×1=2*

(i) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के कैप्टन के विषय में हालदार साहब ने कौन-सा अनुमान नहीं लगाया ?

(a) वह आज़ाद हिंद फ़ौज का सिपाही रहा होगा ।

(b) वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस का साथी रहा होगा ।

(c) वह पक्का देशभक्त रहा होगा इसलिए नेताजी की मूर्ति बगैर चश्मे के नहीं देख सकता ।

(d) वह भारतीय सेना का भूतपूर्व सिपाही रहा होगा इसलिए उसका एक पैर भी नहीं है ।

(ii) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए कि जो मनुष्य के लिए कल्याणकारी नहीं है, वह :

(a) न सभ्यता है और न संस्कृति ।

(b) न परंपरा है और न रीति-रिवाज ।

(c) न आविष्कार है और न अनुसंधान ।

(d) न खोज है और न प्रयोग ।

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) बिस्मिल्ला खाँ की एक संगीत साधक के रूप में क्या विशेषताएँ थीं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ख) लेखक की आँखों से देखा गया बालगोबिन भगत की 'प्रभाती' का दृश्य कैसा था ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में चश्मे के बहाने से देशभक्ति की भावना पर किस प्रकार बल दिया गया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए कि आज के विज्ञान के विद्यार्थियों को लेखक न्यूटन के मुकाबले कहाँ देखता है । उसकी बातों से अपनी सहमति/असहमति तर्कों द्वारा साबित कीजिए ।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी' पद में वर्णित गुड़ और चींटी के उदाहरण के माध्यम से गोपियों की किस मनोदशा का वर्णन हुआ है ?

(ख) 'इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं' — पंक्ति के द्वारा लक्ष्मण परशुराम से क्या कह रहे हैं ? उन्होंने अपने व्यवहार को उचित ठहराते हुए क्या तर्क दिया ?

(ग) 'उत्साह' एवं 'अट नहीं रही' दोनों कविताएँ प्रकृति पर आधारित हैं पर दोनों में बहुत अंतर है । अपनी आलोचनात्मक दृष्टि से उस अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'संगतकार' मुख्य गायक की सहायता किस-किस तरह से करता है ?

13. पूरक पाठ्य-पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) 'साना-साना हाथ जोड़ि' की लेखिका महानगरों को 'डार्करूम' क्यों कहती है ? महानगरीय डार्करूम से भागने के लिए लोग क्या प्रयास करते हैं ? महानगरों को इस डार्करूम से बचाने के लिए हम क्या प्रयास कर सकते हैं ?

(ख) 'माता का अँचल' पाठ के भोलानाथ के जीवन के प्रसंग आपको अपने बचपन की याद दिलाते होंगे । ऐसे दो प्रसंगों का तुलनात्मक वर्णन कीजिए ।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' का लेखक लेखन के पीछे किसे जरूरी कारण मानता है ? आपके जीवन में कुछ ऐसा घटा जिसने आपके अंतर्मन को प्रेरित या प्रभावित किया हो, लिखिए ।

14. (क) आप मानव कुमार/मानसी कुमारी हैं । आपने अपने घर में 'नूतन टेलीकॉम' का 'वाई-फाई' लगवाया है । आए दिन वह खराब होता है । उस कंपनी के 'ग्राहक सेवा' से भी आपको मदद नहीं मिल रही है और आप रोज़ परेशान हो रहे/रही हैं । स्थानीय अख़बार के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिख कर अपनी समस्या पर कंपनी का ध्यान आकर्षित कीजिए । *5*

अथवा

(ख) आप लक्षिता/लक्ष्य हैं । आप उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाली/वाले हैं । इस बात से आपकी माँ भावनात्मक रूप से बेहद परेशान हैं । उनको समझाते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में बताते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए । *5*

15. (क) सौंदर्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी 'सौंदर्या' को अपने उत्पाद के प्रचार-प्रसार और बिक्री बढ़ाने हेतु कुछ नवयुवक-नवयुवतियों की आवश्यकता है जो घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर सके । अपनी योग्यता, रुचि और अनुभव का परिचय देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए । *5*

अथवा

(ख) आपका नाम शाश्वत/शाश्वती है । आपने ऑनलाइन खरीदारी में 'मनोकाम' वेबसाइट से एक घड़ी मँगवाई थी । दो महीने में ही घड़ी ने काम करना बंद कर दिया । कंपनी के 'ग्राहक सेवा' को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखकर शिकायत कीजिए और उचित मुआवज़े की माँग भी कीजिए । *5*

16. (क) स्वच्छता के प्रचार-प्रसार के लिए एक जनहितकारी विज्ञापन प्रदेश सरकार की ओर से लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए । *4*

अथवा

(ख) आपका नाम सीमा पटेल/महेश कुलकर्णी है । आपके चाचा अपने पैतृक-गाँव में जाकर बच्चों के लिए एक विद्यालय शुरू कर रहे हैं । उनके इस कार्य की सफलता हेतु लगभग 60 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए । *4*

17. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए : *1×6=6*

(क) मेरे सपनों का देश

- देश और देशवासियों का अनोखा संबंध
- मेरी कल्पनाओं का देश — खूबियाँ और मंज़िलें
- देश-निर्माण में बतौर नागरिक मेरा योगदान
- हमें किन प्रयासों की जरूरत है ?

(ख) ऑनलाइन शिक्षा और शिक्षार्थियों की मूल-भूत आवश्यकताएँ

- शिक्षार्थियों की मूल आवश्यकताएँ
- ऑनलाइन माध्यम : पहुँच और सीमाएँ
- किन मूल आवश्यकताओं की पूर्ति ऑनलाइन से असंभव
- उससे मिला सबक

(ग) दूर के ढोल सुहावने लगते हैं

- दूर से कोई वस्तु/बात आकर्षक प्रतीत होती है
- अनजाने/अपरिचय का आकर्षण और जानने से उत्पन्न परेशानी
- दूर का आकर्षण नजदीक की समस्या
- सोच-समझकर किसी आकर्षण को अपनाना